माँ पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर, उत्तर प्रदेश

संस्कृत विभाग पाठ्यक्रम–
परास्नातक स्तर (NEP-2020)

(पाठ्यक्रम निर्माण के दिशानिर्देशों के अनुरूप)
पाठ्यक्रम निर्माण समिति

BOS संयोजक / BOS सदस्य	पद	विभाग	विश्वविद्यालय / महाविद्यालय
प्रो0 मंशाराम वर्मा (संस्कृत विषय संयोजक)	प्रोफेसर	संस्कृत	श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज, गोण्डा, उ0प्र0।
डॉ0 उदल कुमार (सदस्य)	एसोशिएट प्रोफेसर	संस्कृत	आचार्य नरेन्द्र देव किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बभनान, गोण्डा, उ0प्र0।
डॉ0 अखिलेश्वर प्रसाद शुक्ल (सदस्य)	असिस्टेंट प्रोफेसर	संस्कृत	आचार्य नरेन्द्र देव किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बभनान, गोण्डा, उ0प्र0।
श्रीमती पूजा मिश्रा (सदस्य)	असिस्टेंट प्रोफेसर	संस्कृत	महारानी लाल कुँवरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलरामपुर, उ0प्र0।
श्रीमती ज्योति त्रिपाठी (सदस्य)	असिस्टेंट प्रोफेसर	संस्कृत	महिला महाविद्यालय, बहराइच, उ0प्र0।
प्रो0 आशा गुप्ता (सदस्य)	प्रोफेसर	संस्कृत	रणवीर रणञ्जय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी, उ0प्र0।
डॉ0 देवेन्द्र पाल (सदस्य)	असिस्टेंट प्रोफेसर	संस्कृत	दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उ0प्र0।
प्रो0 अभिषेक दत्त त्रिपाठी (सदस्य)	प्रोफेसर	संस्कृत	कामता प्रसाद सुन्दरलाल साकेत स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अयोध्या, उ0प्र0।

एम0ए0 (संस्कृत) का पाठ्यक्रम

एम0ए0 संस्कृत का द्विवर्षीय पाठ्यक्रम चार सेमेस्टर्स में विभक्त होगा। प्रत्येक सेमेस्टर में पाँच कोर्सेस (प्रश्न पत्र) होंगे, जिनके अध्यापन की अवधि छह माह होगी। प्रत्येक कोर्स 4 क्रेडिट का होगा। प्रथम सेमेस्टर 20 क्रेडिट का एवं अन्य तीन सेमेस्टर 24 क्रेडिट के होंगे। इस प्रकार चारों सेमेस्टर्स में कुल मिलाकर 92 क्रेडिट होंगे। प्रत्येक कोर्स 100 अंकों का होगा, जिसमें से 75 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 25 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन होगा, जिसमें 20 अंकों में एक अधिन्यास कार्य (Assignment) एवं 5 अंक अनुशासन, कक्षा में उपस्थिति इत्यादि के लिए निर्धारित है। प्रथम तथा द्वितीय सेमेस्टर के दसों कोर कोर्स होंगे तथा द्वितीय सेमेस्टर में एक कोर कोर्स ओपेन इलेक्टिव (Other P.G. Programme) होगा। तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर्स में प्रत्येक में दो–दो कोर कोर्सेस तथा तीन–तीन वैकल्पिक कोर्सेस होंगे, जिन्हें निर्धारित चार वैकल्पिक वर्गों वेद, व्याकरण, दर्शन तथा साहित्य में से किसी एक के रूप में लेना होगा तथा तृतीय चतुर्थ सेमेस्टर में लघु शोध/शोध प्रोजेक्ट/इण्टर्नशिप/फील्डवर्क/सर्वे अनिवार्य होगा। वर्गों का चयन तृतीय सेमेस्टर के प्रारम्भ होने के समय ही विभागाध्यक्ष की अनुमति से करना होगा। दोनों वर्षों के पाठ्यक्रमों का प्रारूप इस प्रकार होगा।

प्रथम वर्ष– सेमेस्टर–1 सेमेस्टर–2

द्वितीय वर्ष– सेमेस्टर–3 सेमेस्टर–4

Program Outcomes (POS):

1. विद्यार्थियों के द्वारा लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त करना।
2. विद्यार्थियों के शब्दकोष में वृद्धि करना।
3. विद्यार्थियों में शुद्ध उच्चारण तथा कौशल का विकास करना।
4. विद्यार्थियों के द्वारा संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त करके वैज्ञानिकता तथा तार्किकता की अभिवृद्धि करना।
5. पारम्पारिक व वैश्विक ज्ञान के सामञ्जस्य से विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि के साथ–साथ जीविकोपार्जन के नये मार्ग को प्राप्त करने हेतु कौशल विकसित करना।
6. छात्र शब्द, व्युत्पत्ति, विज्ञान और वैदिक भाषा की विशेषता को समझने की दक्षता अर्जित करेंगे।
7. छात्र पालि–प्राकृत व अपभ्रंश के माध्यम से बौद्ध कालीन भारत की संस्कृति, सभ्यता और भाषात्मक विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
8. काव्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दों का परिचय प्राप्त करेंगे।
9. छात्रों में दार्शनिक समझ विकसित होगी।

Program Specific Outcomes (PSOS)

1. विद्यार्थियों में संस्कृत व्याकरणशास्त्र के सम्यक् ज्ञान से शुद्ध वाक्यविन्यास में निपुणता उत्पन्न करना।
2. समग्र पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा की दक्षता एवं प्रगल्भता उत्पन्न करना।
3. विद्यार्थियों के लिए संस्कृत का शब्दभण्डारण प्रवर्धित करना।
4. वाक्यनिर्माण में कौशल जागृत करते हुये संस्कृत भाषा के अध्ययन के प्रति विद्यार्थियों में रूचि उत्पन्न करना।
5. संस्कृत साहित्य का पूर्णरूपण से अध्ययन करने हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित करना।
6. वैदिक तथा लौकिक संस्कृत के अध्ययन से साहित्य की समृद्धि एवं तन्निहित नैतिकता एवं आध्यात्मिकता के कारण भारतीय संस्कृति को वैश्विक स्तर पर महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त करने में योगदान करना।
7. काव्यशास्त्र के उद्‌भव एवं विकास से विद्यार्थियों को सुपरिचित करके काव्यशास्त्रीय तत्त्वों को आत्मसात करने हेतु प्रेरित करना।
8. विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता एवं रचनात्मकता में अभिवृद्धि करना।
9. विद्यार्थियों में वैदिक व औपनिषदिक संस्कृत के प्रति गौरव का बोध कराना।
10. दार्शनिक तत्त्वों के प्रति विद्यार्थियों की विश्लेषणात्मक, कल्पनाशील तथा तार्किक क्षमता का विकास करना।
11. आधुनिक संस्कृत साहित्यगत उद्देश्यों एवं ज्ञान को अपने आचरण में समाहित करने हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित करना।
12. प्राचीन लिपियों, अभिलेखों, शिलालेखों आदि के अध्ययन से विद्यार्थियों को नवनवोन्मेष हेतु प्रेरित करके नवाचार की अभिवृद्धि करना।

नई शिक्षा नीति–2020 (NEP-2020)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप एवं उच्च शिक्षा विभाग के आदेशों से आच्छादित विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के लिए स्नातकोत्तर संस्कृत पाठ्यक्रम के सेमेस्टरवार प्रश्न पत्र।

वर्ष	कोर्स कोड	कोर्स का शीर्षक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष	**सेमेस्टर– I (जुलाई–दिसम्बर)**		**04**
	A020701T	वैदिक सूक्त एवं भाष्य	
	A020702T	भाषा विज्ञान	
	A020703T	न्याय एवं मीमांसा दर्शन	
	A020704T	काव्य एवं काव्य शास्त्र–।	
	A020705T	व्याकरण–।	
	सेमेस्टर– II (जनवरी–जून)		**04**
	A020801T	संहिता एवं उपनिषद्	
	A020802T	पालि प्राकृत एवं अपभ्रंश	
	A020803T	सांख्य एवं वेदान्त दर्शन	
	A020804T	काव्य एवं काव्यशास्त्र–।।	
	A020805T	व्याकरण–।।	
	Open Elective, Other P.G. Programme		**04**
	A020806R	भारतीय ज्ञान परम्परा आधारित Research Project/ Dissertation/Internship/Field work Survey	

द्वितीय वर्ष	**सेमेस्टर– III (जुलाई–दिसम्बर)**		**04**
	A020901T	व्याकरण दर्शन एवं स्वशास्त्रीय निबन्ध **(अनिवार्य कोर्स)**	
	A020902T	भारतीय संस्कृति एवं पर्यावरण **(अनिवार्य कोर्स)**	
	निम्नलिखित पाँच ऐच्छिक वर्गों में से किसी एक वर्ग के तीनों कोर		
	ऐच्छिक वर्ग–अ–वेद		
	A020903T	संहिता	**क्रेडिट–04**
	A020904T	ब्राह्मण एवं यज्ञ	
	A020905T	वेदांग	
	ऐच्छिक वर्ग–ब–व्याकरण		
	A020906T	प्रक्रिया–।	**क्रेडिट–04**
	A020907T	व्याकरण दर्शन–।	
	A020908T	महाभाष्य एवं इतिहास	
	ऐच्छिक वर्ग–स–दर्शन		
	A020909T	न्याय दर्शन	**क्रेडिट–04**
	A020910T	योग दर्शन	
	A020911T	शाङ्कर वेदान्त	

	ऐच्छिक वर्ग–द–साहित्य		
	A020912T	काव्यशास्त्र– ।	**क्रेडिट– 04**
	A020913T	नाट्यशास्त्र– ।	
	A020914T	काव्य	
	A020915R	शोध परियोजना / शोध प्रबन्ध / फील्ड वर्क / सर्वे / इण्टर्नशिप **(अनिवार्य कोर्स)**	

द्वितीय वर्ष	**सेमेस्टर– IV (जनवरी–जून)**		**04**
	A021001T	व्याकरण एवं अनुवाद **(अनिवार्य कोर्स)**	
	A021002T	आधुनिक संस्कृत काव्यशास्त्र **(अनिवार्य कोर्स)**	
	निम्नलिखित पाँच ऐच्छिक वर्गों में से किसी एक वर्ग के तीनों कोर्स		
	ऐच्छिक वर्ग–अ–वेद		
	A021003T	वैदिक संहिता	**क्रेडिट– 04**
	A021004T	ब्राह्मण एवं मीमांसा	
	A021005T	वेदांग एवं अनुक्रमणी	
	ऐच्छिक वर्ग–ब–व्याकरण		
	A021006T	प्रक्रिया– ।।	**क्रेडिट– 04**
	A021007T	व्याकरण दर्शन– ।।	
	A021008T	परिभाषा	
	ऐच्छिक वर्ग–स–दर्शन		
	A021009T	वैशेषिक दर्शन	**क्रेडिट– 04**
	A021010T	आगम एवं बौद्ध दर्शन	
	A021011T	वेदान्त एवं मीमांसा	
	ऐच्छिक वर्ग–द–साहित्य		
	A021012T	काव्यशास्त्र– ।।	**क्रेडिट– 04**
	A021013T	दृश्यकाव्य	
	A021014T	गद्यकाव्य	
	अनिवार्य कोर्स		
	A021015R	शोध परियोजना / शोध प्रबन्ध / फील्ड वर्क / सर्वे / इण्टर्नशिप	

परीक्षा–योजना

1. प्रत्येक सेमेस्टर के अन्त में लिखित परीक्षा होगी।
2. लिखित परीक्षा में प्रत्येक कोर्स की निर्धारित पाठ्य सामग्री, जिसे पाँच समान इकाईयों में विभक्त किया गया है, से आन्तरिक विकल्प के साथ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक इकाई के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। इसमें भाषा का विषय होने के कारण अपेक्षानुसार व्याख्यात्मक, परिचयात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जा सकेंगे।
3. आन्तरिक परीक्षा हेतु प्रत्येक कोर्स के लिए 25 अंक निर्धारित हैं। इसमें पाठ्य सामग्री पर आधारित 10–10 अंकों के दो सेमिनार होंगे तथा शेष दस अंक छात्र की कक्षा में उपस्थिति एवं अनुशासन के आधार पर सम्बन्धित शिक्षक द्वारा दिए जाएंगे।
4. छात्रों को लिखित तथा आन्तरिक परीक्षा में पृथक्–पृथक् उत्तीर्ण होना होगा।
5. इस पाठ्यक्रम में अंक सुधार या बैक पेपर की कोई व्यवस्था नहीं होगी, क्योंकि इसमें सतत मूल्यांकन प्रक्रिया अपनायी जा रही है। अतः अनुत्तीर्ण होने की स्थिति में पूरे कोर्स (प्रश्नपत्र) की पुनः परीक्षा देनी होगी, जिसमें लिखित एवं आन्तरिक दोनों परीक्षाएं सम्मिलित होंगी।
6. उत्तीर्ण प्रतिशत एवं श्रेणी इत्यादि के सम्बन्ध में विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत सुसंगत नियम लागू होंगे।

Year First	Semester : 1
कोर्स– **A020701T**	कोर्स–1 **कोर्स शीर्षक–** वैदिक सूक्त एवं भाष्य

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र ऋग्वेद एवं अथर्ववेद के सूक्तों से परिचित हो सकेंगे।
- वैदिक मंत्रों के माध्यम से प्राकृतिक देवताओं के महत्व को समझ सकेंगे।
- प्राचीन वैदिक स्वर के मूल सिद्धान्तों से अवगत हो सकेंगे।
- वैदिक स्वर और वैदिक व्याकरण के ज्ञान से वैदिक मंत्रों को सस्वर उच्चारित कर सकेंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	ऋग्वेद से वरूणसूक्त (1.25), सवितृसूक्त (1.35)	
II	ऋग्वेद से उषस्सूक्त (3.61) तथा पर्जन्यसूक्त (5.83)	
III	ऋग्वेद से सरमा–पणि संवाद (10.108), पुरुरवा–उर्वशी संवाद (10.95), अथर्ववेद से राष्ट्राभिवर्धन (1.29)	
IV	ऋग्वेदभाष्यभूमिका–वेदापौरूषेयत्वसिद्धि तक	
V	ऋग्वेदभाष्यभूमिका–वेदापौरूषेयत्वसिद्धि के बाद से अन्त तक	
	आन्तरिक परीक्षा– 25 अंक	

संस्तुत ग्रन्थ –

- ऋक्सूक्तसंग्रह, डॉ0 हरिदत्त शास्त्री।
- ऋग्वेद संहिता, पं0 दामोदरपद सातवलेकर।
- वेदामृतमंजूषिका, डॉ0 प्रयागनरायन मिश्र।
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, प्रो0 बलदेव उपाध्याय।
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति का वृहद् इतिहास, प्रो0 ओम प्रकाश पाण्डेय।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रो0 आशा गुप्ता।
- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डॉ0 कपिल देव द्विवेदी।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ0 श्री नारायन तिवारी।

Year First	Semester : 1
कोर्स– **A020702T**	कोर्स–2 **कोर्स शीर्षक–** भाषा विज्ञान

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्रों को भाषा की उत्पत्ति वर्गीकरण तथा इसके घटक तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- व्याकरण के महत्वपूर्ण प्रत्ययों का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर संस्कृत भाषा की विशिष्टता को समझ सकेंगे।
- भाषा के विकासक्रम को समझ सकेंगे।
- भाषा के विभिन्न परिवारों का ज्ञान होगा।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	भाषा शास्त्र–संघटनात्मक भाषा ज्ञान की परिभाषा, भाषा, विभाषा बोली आदि में अन्तर, भाषिक परिवर्तन, उसके कारण तथा दिशाएँ	
II	भाषाओं का वर्गीकरण–भारोपीय भाषा परिवार, सतम् एवं केन्तुम वर्ग, इण्डो ईरानियन परिवार।	
III	इण्डो आर्यन परिवार, भारतीय भाषाओं का विकास, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ, समीकरण, विषमीकरण।	
IV	भाषा के घटक– स्वनिम (फोनिम), रूपिम (मारफीम), पदिम (टैक्सीम), अर्थिम (सेमेन्टिम), मानस्वर (कार्डियल बावेल), वाग्यन्त्र।	
V	ध्वनिनियम–ग्रिम, वर्नर, ग्रासमान, अर्थपरिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी।
- भाषाविज्ञान एवं भाषा शास्त्र, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।
- भाषाविज्ञान, भोलाशंकर व्यास एवं कर्ण सिंह।
- संस्कृत भाषा का शास्त्रीय अध्ययन, भोलाशंकर व्यास।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रो0 आशा गुप्ता।
- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डॉ0 कपिल देव द्विवेदी।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ0 श्री नारायन तिवारी।

Year First	Semester : 1
कोर्स– **A020703T**	कोर्स–3 **कोर्स शीर्षक–** न्याय एवं मीमांसा दर्शन

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्रों को भारतीय दर्शन का ज्ञान प्राप्त होगा।
- भारतीय दर्शन की मौलिक अवधारणा का समालोचनात्मक विश्लेषण और परीक्षण करने में समर्थ होंगे।
- जीवन की कठिनाईयों को यर्थाथ रूप में समझने की योग्ता प्राप्त करें।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	तर्कभाषा, प्रारम्भ से प्रत्यक्ष प्रमाण तक।	
II	तर्कभाषा, अनुमान से उपमान प्रमाण तक।	
III	तर्कभाषा, शब्द से प्रामाण्यवाद तक।	
IV	अर्थसंग्रह, प्रारम्भ से भावना तक।	
V	अर्थसंग्रह, वेदलक्षण से क्रम निर्धारण तक।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- अर्थसंग्रह, डॉ0 कामेश्वर नाथ मिश्र।
- अर्थसंग्रह, डॉ0 दयाशंकर शास्त्री।
- अर्थसंग्रह, त्यागमूर्ति श्री टाटम्बरिस्वामी।
- तर्कभाषा, डॉ0 राकेश शास्त्री।
- तर्कभाषा, डॉ0 बदरीनाथ शुक्ल।
- तर्कभाषा, पं0 श्री रूद्रधर झा।
- तर्कभाषा, श्री सुरेन्द्र नाथ द्विवेदी।

Year First		Semester : 1
कोर्स– **A020704T**	कोर्स–4 **कोर्स शीर्षक–** काव्य एवं काव्य शास्त्र–।	
Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि ● छात्र काव्यशास्त्र को समझ सकेंगे। ● छात्र शब्द शक्तियों से परिचित हो सकेंगे। ● छात्रों में काव्य के भेदों का ज्ञान होगा।		
Unit/इकाई	**Topics/पाठ्य विषय**	**क्रेडिट–4**
I	काव्यप्रकाश–प्रथम उल्लास।	
II	काव्यप्रकाश, द्वितीय उल्लास में प्रारम्भ से सूत्र 11 तक।	
III	काव्यप्रकाश, द्वितीय उल्लास में लक्षणानिरूपण से अन्त तक।	
IV	नैषधीयचरितम् प्रथम सर्ग–श्लोक 1 से 65 तक।	
V	नैषधीयचरितम् प्रथम सर्ग–श्लोक 66 से अन्त तक।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक	

संस्तुत ग्रन्थ –

- मम्मटाचार्यकृत–काव्यप्रकाश, आचार्य विश्वेश्वर।
- मम्मटाचार्यकृत–काव्यप्रकाश, डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी।
- मम्मटाचार्यकृत–काव्यप्रकाश, श्रीनिवास शास्त्री।
- मम्मटाचार्यकृत–काव्यप्रकाश, श्रीनिवास शर्मा।
- नैषधीयचरितम्, डॉ0 श्यामलेश कुमार तिवारी।
- नैषधीयचरितम्, नारायण रामआचार्य काव्यतीर्थ।
- नैषधीयचरितम्, डॉ0 केशवराम मुसलगाँवकर।

Year First		Semester : 1
कोर्स– **A020705T**	कोर्स–5 **कोर्स शीर्षक–** व्याकरण–।	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र व्याकरण के महत्वपूर्ण प्रत्ययों का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर उनका प्रयोग और संस्कृत भाषा की विशिष्टता को समझ सकेंगे।
- शब्द एवं धातु रूप साधुत्व प्रक्रिया का ज्ञान होगा।
- शब्द के व्यवहारिक प्रयोग का ज्ञान होगा।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय– लघुसिद्धान्तकौमुदी	क्रेडिट–4
I	तिङन्त–भू धातु की रूपसिद्धि।	
II	एध् धातु की रूपसिद्धि।	
III	शेषगणों की प्रथम–प्रथम धातु की रूपसिद्धि।	
IV	कृदन्त में पूर्वकृदन्त की रूपसिद्धि।	
V	कृदन्त में उत्तरकृदन्त की रूपसिद्धि।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक	

संस्तुत ग्रन्थ –

- लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमीव्याख्या, डॉ0 भीमसेन शास्त्री।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ0 महेश सिंह कुशवाहा।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ0 धरानन्द शास्त्री।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ0 लाल बहादुर कुशवाहा।

Year First	Semester : 2
कोर्स– **A020801T**	कोर्स–1 **कोर्स शीर्षक–** संहिता एवं उपनिषद्

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- वैदिक मंत्रों के माध्यम से प्राकृतिक देवताओं के महत्त्व समझ सकेंगे।
- प्राचीन वैदिक स्वर के मूल सिद्धांतों को जान सकेंगे।
- वैदिक स्वर और वैदिक व्याकरण के ज्ञान से वैदिक मंत्रों को उनके सत्य रूप में पाठ करने का प्रयास करेंगे।
- तैत्तिरीयोपनिषद् की शिक्षावल्ली में वर्णित शिक्षा, अभ्युदय संहिताविषयक उपासना विधि और पाँच महासंहिताओं– लोकविषयक संहिता, ज्योतिविषयक संहिता, संतानविषयक संहिता, विद्याविषयक संहिता और अध्यात्मविषयक संहिता का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय– लघुसिद्धान्तकौमुदी	क्रेडिट–4
I	ऋग्वेद से इन्द्रसूक्त (1.32), अग्नि (1.143) तथा रूद्रसूक्त (2.33)	
II	ऋग्वेद से अश्विनौ (7.71), कितव (10.34) तथा नासदीय (10.129)	
III	अथर्ववेद से राजा का चुनाव (3.4), वरूण (4.16) तथा काल (19.53)	
IV	तैत्तिरीयोपनिषद्–शिक्षावल्ली	
V	वैदिक व्याकरण–वैदिक शब्दरूपों की विशेषताएँ तुमर्थक प्रत्यय, लेट् एवं लुङ्लकार।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- ऋक्सूक्तसंग्रह, डॉ0 हरिदत्त शास्त्री।
- ऋग्वेद संहिता, पं0 दामोदरपद सातवलेकर।
- वेदामृतमंजूषिका, डॉ0 प्रयागनरायन मिश्र।
- वैदिक व्याकरण, डॉ0 रामगोपाल।
- वैदिक साहित्य और संस्कृति, प्रो0 बलदेव उपाध्याय।
- वैदिक साहित्य और संस्कृति का वृहद इतिहास, डॉ0 ओम प्रकाश पाण्डेय।

Year First		Semester : 2
कोर्स– **A020802T**	**कोर्स–2** **कोर्स शीर्षक–** पालि प्राकृत एवं अपभ्रंश	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्रों का प्राचीन भारोपीय परिवार की भाषाओं के साहित्य एवं दर्शन से परिचित होगा।
- छात्र पालि भाषा के अध्ययन के साथ–साथ बौद्ध सभ्यता और संस्कृति से परिचित होंगे।
- छात्रों को ऐतिहासिक अभिलेखों को समझने में सुविधा होगी।
- छात्र प्राचीन भारतीय इतिहास को समझ सकेंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय– पालिप्राकृत–अपभ्रंशसंग्रहः (डॉ0 राम अवध पाण्डेय)	क्रेडिट–4
I	पालि–मायादेविया सुपिनं, चत्तारि अरियसच्चानि तथा तथागतस्य पच्छिमावाचा।	
II	पालि–धम्मपदसंगहो, बाबेरूजातकम् तथा पटिच्चसमुप्पादो।	
III	प्राकृत–कर्पूरमञ्जीर (तृतीय अंक), स्वप्नवासवदत्तम (चतुर्थ अंक), वसुदत्तकथा।	
IV	अपभ्रंश–दोहाकोश, सन्देशरासक, अपभ्रंशमुक्तकसंग्रह।	
V	अशोक अभिलेख–(शिलालेख एवं स्तम्भलेख) तथा मौर्योत्तरकालीन अभिलेख।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- भाषा विज्ञान, डॉ0 भोलानाथ तिवारी।
- भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, डॉ0 कपिल देव द्विवेदी।
- भाषा विज्ञान, डॉ0 भोलाशंकर व्यास एवं कर्ण सिंह।
- संस्कृत भाषा का शास्त्रीय अध्ययन, डॉ0 भोलाशंकर व्यास।
- प्राकृत भाषाओं का व्याकरण, एच0सी0 जोशी।
- पालिमहाव्याकरण, जे0 कश्यप।
- पालिप्राकृत–अपभ्रंशसंग्रह, डॉ0 राम अवध पाण्डेय।

Year First	Semester : 2
कोर्स– **A020803T**	कोर्स–3 **कोर्स शीर्षक–** सांख्य एवं वेदान्त दर्शन

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- सांख्य और वेदान्त दर्शन की मौलिक अवधारणा का समालोचनात्मक विश्लेषण और परीक्षण करने में सक्षम होंगे।
- निर्धारित पाठ और उसमें निहित अवधारणात्मक शब्दों को समझने और समझाने में सक्षम होंगे।
- अभूतपूर्व दुनिया और विकास की प्रक्रिया के विश्लेषण में सांख्य और वेदान्त दार्शनिकों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जानने के लिए निर्धारित सिद्धान्तों का समालोचनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
- तार्किक अध्ययन में सांख्य और वेदान्त दार्शनिकों के योगदान को समझ सकेंगे, जो आज के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है।
- सत्य के उचित निर्णय में उनकी मदद करने वाली जीवन स्थितियाँ समझ सकेंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	सांख्यकारिका–1 से 20 तक।	
II	सांख्यकारिका–21 से 45 तक।	
III	सांख्यकारिका–46 से अन्त तक।	
IV	वेदान्तसार–प्रारम्भ से पञ्चीकरण प्रक्रिया तक।	
V	वेदान्तसार–पञ्चीकरण प्रक्रिया के बाद से अन्त तक।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- सांख्यतत्वकौमुदी, व्याख्याकार–डॉ0 संतनरायणलाल श्रीवास्तव।
- सांख्यतत्वकौमुदी, व्याख्याकार–गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर।
- सांख्यतत्वकौमुदी, व्याख्याकार–आद्याप्रसाद मिश्र।
- भारतीय दर्शन का इतिहास (पाँच भाग), एस0एन0 दास गुप्ता।
- भारतीय दर्शन, सी0डी0 शर्मा।
- भारतीय दर्शन, चटर्जी एवं दत्त।
- भारतीय दर्शन, प्रो0 आशा गुप्ता।
- Outline of Indian Philosophy, Hiriyanna

Year First	Semester : 2
कोर्स– **A020804T**	**कोर्स–4** **कोर्स शीर्षक–** काव्य एवं काव्यशास्त्र–।।

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र अलंकारों एवं चम्पूकाव्य से परिचित होंगे।
- छात्र काव्यशास्त्र को समझ सकेंगे।
- छात्र शब्द शक्तियों से परिचित हो सकेंगे।
- छात्रों में काव्य के भेदों का ज्ञान होगा।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	काव्यप्रकाश, नवम् उल्लास।	
II	काव्यप्रकाश, दशम् उल्लास से अग्रांकित अंलकार (लक्षण एवं उदाहरण)– उपमा, अनन्वय, उपमेयोपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, अपह्नुति, समासोक्ति, अप्रस्तुतप्रशंसा तथा अतिशयोक्ति।	
III	काव्यप्रकाश, दशम उल्लास से अग्रांकित अलङ्कार (लक्षण एवं उदाहरण)– प्रतिवस्तूपमा, दृष्टान्त, दीपक, तुल्योगिता, व्यतिरेक, विशेषोक्ति, विभावना, अर्थान्तरन्यास, स्वभावोक्ति तथा काव्यलिङ्ग।	
IV	काव्यप्रकाश, दशम उल्लास से अग्रांकित अलङ्कार (लक्षण एवं उदाहरण)– उदात्त, समुच्चय, अनुमान, परिकर, व्याजोक्ति, परिसंख्या, असंगति, तद्गुण, संसृष्टि और संङ्कर।	
V	नलचम्पू–प्रारम्भ से आर्यावर्तवर्णन पर्यन्त।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- मम्मटाचार्यकृत–काव्यप्रकाश, आचार्य विश्वेश्वर।
- मम्मटाचार्यकृत–काव्यप्रकाश, डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी।
- मम्मटाचार्यकृत–काव्यप्रकाश, श्रीनिवास शास्त्री।
- मम्मटाचार्यकृत–काव्यप्रकाश, श्रीनिवास शर्मा।
- नलचम्पू, श्री धरानन्द शास्त्री।
- नलचम्पू, तारिणीश झा।

Year First	Semester : 2
कोर्स– **A020805T**	**कोर्स–5** **कोर्स शीर्षक–** व्याकरण–।।

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र व्याकरण प्रक्रिया से परिचित होंगे।
- छात्रों में शब्द निर्माण का ज्ञान होने से सम्भाषण कला विकसित होगी।
- छात्रों को साधुत्व प्रक्रिया का ज्ञान होगा।
- छात्र वाच्यभेद को समझ सकेंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय– लघुसिद्धान्त कौमुदी	क्रेडिट–4
I	णिजन्त, सन्नन्त, यङन्त, यङलुक, नामधातु पुत्रीयति, कृष्णति, शब्दायते।	
II	आत्मनेपद, परस्मैपद, भावकर्म–भूयते, कर्मकर्तृ, लकारार्थ।	
III	तद्धित–अपत्यार्थ, रक्ताद्यर्थ, चातुरर्थिक।	
IV	शैषिक, भावकर्माद्यर्थ, भवनादि।	
V	मत्वर्थीय, प्राग्दिशीय, प्रागिवीय।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका, बाबूराम सक्सेना, चौखम्बा प्रकाशन।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, आचार्य वरदराज, भैमीव्याख्या, आचार्य भीमसेनशास्त्री, समस्तखण्ड।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, आचार्य वरदराज, डॉ0 महेश सिंह कुशवाहा।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, आचार्य वरदराज, डॉ0 धरानन्दशास्त्री।
- रचनानुवादकौमुदी, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।
- सिद्धसन्तकौमुदी, डॉ0 रमाकान्त त्रिपाठी, विद्यार्थी प्रकाशन, बलिया।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, निर्णय सागर प्रेस, मुम्बई।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, गीताप्रेस, गोरखपुर।

Year First	Semester : 2
कोर्स– **A020806R**	**कोर्स–1** (Open Elective other PG Programme) **कोर्स शीर्षक–** भारतीय ज्ञान परम्परा आधारित शोध परियोजना / शोध प्रबन्ध / फील्ड वर्क / सर्वे / इण्टर्नशिप

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा से अवगत होंगे।
- छात्र सामाजिक व्यवहार को समझने में समर्थ होंगे।
- छात्र रामायण एवं महाभारत कालीन संस्कृति से परिचय प्राप्त करेंगे।
- पुराणों का सम्यक ज्ञान अर्जित करेंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय– भारतीय ज्ञान परम्परा	क्रेडिट–4
I	अर्थशास्त्र (प्रथम विनयाधिकारिक) मूल्य एवं महत्व।	
II	मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय) मूल्य एवं महत्व।	
III	याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय) आदर्श एवं वैशिष्ट्य	
IV	रामायण एवं महाभारत–विषय वस्तु काल सामाजिक एवं साहित्यिक महत्व तथा प्रमुख आख्यान।	
V	पुराण–परिभाषा, महापुराण–उपपुराण, पौराणिक सृष्टि विज्ञान तथा महत्वपूर्ण व्याख्यान।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- कौटिलीय अर्थशास्त्रम्, डॉ0 श्यामलेश कुमार तिवारी।
- कौटिलीय अर्थशास्त्र, डॉ0 उदयवीर शास्त्री।
- कौटिल्य का अर्थशास्त्र, डॉ0 ओम प्रकाश प्रसाद।
- मनुस्मृति, डॉ0 सुरेन्द्र कुमार।
- मनुस्मृति, डॉ0 दानपति तिवारी।
- वेदों में भारतीय संस्कृति, डॉ0 आद्यादत्त ठाकुर।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ0 कपिल देव द्विवेदी।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ0 श्री नारायन तिवारी।
- संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ0 ऊदल कुमार।

Year Second		Semester : 3
कोर्स– **A020901T**	**कोर्स–1** **कोर्स शीर्षक–** व्याकरण दर्शन एवं स्वशास्त्रीय निबन्ध (अनिवार्य कोर्स)	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र व्याकरण के दार्शनिक स्वरूप से परिचित होंगे।
- छात्र गम्भीर विषयों पर अपने शास्त्र से सम्बद्ध निबन्ध लिखने में पारंगत होंगे।
- महाभाष्य से परिचित होंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय– महाभाष्य प्रथमाह्निक	क्रेडिट–4
I	महाभाष्य–प्रथमाह्निक, प्रारम्भ से व्याकरणाध्ययन के प्रयोजन पर्यन्त।	
II	प्रयोजन के बाद से लेकर "आचारे नियमः" वार्तिक तक।	
III	"प्रयोगे सर्वलोकस्य"–वार्तिक से अन्त तक।	
IV	उपर्युक्त तीनों इकाईयों के पाठ्य से समीक्षात्मक प्रश्न।	
V	स्वशास्त्रीय निबन्ध।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- पातङ्जलं महाभाष्यम्, गंगाधर तिवारी।
- व्याकरणमहाभाष्यम्, आह्निक 1–3, प्रो0 वी0के0 अभ्यंकर।
- व्याकरणमहाभाष्यम्, आह्निक 1–5, आचार्य मधुसूदन प्रसाद मिश्र।
- संस्कृत निबन्धशतकम्, डॉ0 कपिल देव द्विवेदी।

Year Second	Semester : 3
कोर्स– **A020902T**	**कोर्स–2** **कोर्स शीर्षक–** भारतीय संस्कृति एवं पर्यावरण (अनिवार्य कोर्स)

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र पर्यावरण की कठिनाईयों से परिचित होंगे।
- छात्र भारतीय संस्कृति के मूल तत्व का ज्ञान अर्जित करेंगे।
- संस्कृत साहित्य और सामाजिक संस्कृति का अन्तर्सम्बन्ध समझ सकेंगे।
- प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था का ज्ञान होगा।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	संस्कृति का अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, मूलतत्व, भारतीय संस्कृति का विकास, संस्कृति और सभ्यता में अन्तर, अन्य संस्कृतियों पर प्रभाव।	
II	संस्कृत साहित्य में समाज, जीवन मूल्य एवं वर्णाश्रम–व्यवस्था।	
III	पुरूषार्थ एवं संस्कार	
IV	प्राचीन भारतीय शिक्षा–व्यवस्था।	
V	पर्यावरण शब्द की उत्पत्ति, अर्थ, परिभाषा एवं महत्व, पर्यावरण के तत्व, पर्यावरण को क्षति पँहुचाने वाले घटक, संरक्षण के उपाय, पर्यावरणीय प्रदूषण दूर करने के उपाय, संस्कृत साहित्य में पर्यावरण।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- वेदों में भारतीय संस्कृति, आद्यादत्त ठाकुर।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ0 कपिल देव द्विवेदी।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रो0 आशा गुप्ता।
- पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी विज्ञान, मनीष गौड़, रवि पब्लिकेशन।
- पर्यावरण–नीतिशास्त्र, प्रो0 एन0पी0 तिवारी, मोतीलाल बनारसी पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
- भारतीय संस्कृति और पर्यावरण, डॉ0 किशोरी लाल व्यास "नीलकण्ठ", अर्चना प्रकाशन, भोपाल।

निम्नलिखित वर्गों में से किसी एक वर्ग के तीनों कोर्स

Year Second		Semester : 3
कोर्स– **A020903T**	कोर्स–3 (ऐच्छिक वर्ग–अ–वेद) **कोर्स शीर्षक**–संहिता	
Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि • छात्रों को वैदिक संहिताओं के विशिष्ट ज्ञान से परिचित कराना। • वैदिक मंत्रों के माध्यम से प्राकृतिक देवताओं के महत्त्व समझ सकेंगे। • प्राचीन वैदिक स्वर के मूल सिद्धान्तों को जान सकेंगे। • वैदिक स्वर और वैदिक व्याकरण के ज्ञान से वैदिक मंत्रों को उनके सत्य रूप में पाठ करने का प्रयास करेंगे। • छात्र शुक्लयजुर्वेद के कण्डिका ज्ञान से परिचित होंगे।		
Unit/इकाई	**Topics/पाठ्य विषय**	**क्रेडिट–4**
I	ऋग्वेद संहिता– विश्वेदेवासूक्त (1.89), ब्रह्मणस्पतिसूक्त (2.23)	
II	ऋग्वेद संहिता– पूषन् (6.54), वरूण (7.86), मन्यु (10.84)	
III	शुक्लयर्जुवेद–माध्यन्दिन संहिता–प्रथम अध्याय, कण्डिका 1 से 15 तक	
IV	शुक्लयर्जुवेद–माध्यन्दिन संहिता–प्रथम अध्याय, कण्डिका 16 से अन्त तक	
V	अथर्ववेद–संहिता, दीर्घायुः–प्राप्तिसूक्त (2.4), राजा की स्वराज्य पर पुनःस्थापना (3.3), कृषिसूक्त (3.17)	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- ऋक्सूक्तसंग्रह, डॉ0 हरिदत्त शास्त्री।
- ऋग्वेद संहिता, पं0 दामोदरपद सातवलेकर।
- वेदामृतमंजूषिका, डॉ0 प्रयागनरायन मिश्र।
- वैदिक व्याकरण, डॉ0 रामगोपाल।
- वैदिक साहित्य और संस्कृति, प्रो0 बलदेव उपाध्याय।
- वैदिक साहित्य और संस्कृति का वृहद इतिहास, डॉ0 ओम प्रकाश पाण्डेय।
- शुक्लयजुर्वेदमाध्यन्दिनीयसंहिता, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- शुक्लयजुर्वेदमाध्यन्दिनीयसंहिता, विद्याभवन प्राच्यविद्या ग्रन्थमाला।
- शुक्लयजुर्वेदमाध्यन्दिनीयसंहिता, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।

Year Second		Semester : 3
कोर्स– **A020904T**	कोर्स–4 (ऐच्छिक वर्ग–अ–वेद) **कोर्स शीर्षक**–ब्राह्मण एवं यज्ञ	
Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि • छात्र ब्राह्मण एवं यज्ञों का ज्ञान अर्जित कर सकेंगे। • छात्र यज्ञ के भेदों से परिचित होंगे। • यज्ञीय पारिभाषिक शब्द एवं उपकरणों की जानकारी होगी।		
Unit/इकाई	**Topics/पाठ्य विषय**	**क्रेडिट–4**
I	ऐतरेय ब्राह्मण–प्रथम पञ्चिका, अध्याय–1	
II	ऐतरेय ब्राह्मण–प्रथम पञ्चिका, अध्याय–2	
III	ऐतरेय ब्राह्मण–प्रथम पञ्चिका, अध्याय–3	
IV	वैदिक यज्ञ एवं उनके प्रमुख भेद,	
V	यज्ञीय पारिभाषिक शब्द एवं उपकरण	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- ऐतरेय ब्राह्मण प्रो0 उमेश प्रसाद सिंह।
- ऐतरेय ब्राह्मण डॉ0 दानपति तिवारी।
- ऐतरेय ब्राह्मण डॉ0 सुधाकर मालवीय।
- वैदिक व्याकरण, डॉ0 रामगोपाल।
- वैदिक साहित्य और संस्कृति, प्रो0 बलदेव उपाध्याय।
- वैदिक साहित्य और संस्कृति का वृहद इतिहास, डॉ0 ओम प्रकाश पाण्डेय।

Year Second		Semester : 3
कोर्स– **A020905T**	कोर्स–5 (ऐच्छिक वर्ग–अ–वेद) **कोर्स शीर्षक**–वेदाङ्ग	
Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि ● छात्र वेद के छः अंगों से परिचित होंगे। ● छात्र ऋक्प्रातिशाख्य के विषय वस्तु का ज्ञान करेंगे। ● वैदिक स्वर प्रक्रिया का ज्ञानार्जन करेंगे। ● व्याकरण स्वरभेद प्रक्रिया से अवगत होंगे।		
Unit/इकाई	**Topics/पाठ्य विषय**	**क्रेडिट–4**
I	ऋक्प्रातिशाख्य–प्रथम पटल	
II	ऋक्प्रातिशाख्य–द्वितीय पटल	
III	ऋक्प्रातिशाख्य–तृतीय पटल	
IV	पास्करगृह्यसूत्र, प्रथम काण्ड, कण्डिका–1 से 12	
V	सिद्धान्तकौमुदी–स्वरवैदिक प्रकरण से निम्नलिखित सूत्र– धातोः (6.1.162), अनुदात्ते च (6.1.190), लिति (6.1.193), कर्षात्वतो घञोऽन्त उदात्तः (6.1.159), समासस्य (6.1.223), बहुव्रीहौ प्रकृत्या पूर्वपदम् (6.2.1), दायाद्यं दायादे (6.2.5), गतिर्गतौ (8.1.70), तिङिचोदात्तवति (8.1.71)	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- ऋग्वेद–प्रातिशाख्यम्, डॉ0 वीरेन्द्र कुमार वर्मा।
- वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, श्री गोविन्दाचार्य एवं लक्ष्मी शर्मा।
- वैयाकरण–सिद्धान्तकौमुदी, पं0 ईश्वरचन्द एवं सोमलेखा।
- पारस्कर–गृह्यसूत्रम्, वेदरत्न डॉ0 सत्यव्रत राजेश।
- पारस्कर–गृह्यसूत्रम्, डॉ0 जगदीश चन्द्र मिश्र।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रो0 आशा गुप्ता।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, श्री नरायण तिवारी।

Year Second		Semester : 3
कोर्स– **A020906T**	कोर्स–3 (ऐच्छिक वर्ग–ब–व्याकरण) **कोर्स शीर्षक**–प्रक्रिया–।	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र व्याकरण के महत्वपूर्ण प्रत्ययों का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर उनका प्रयोग और संस्कृत भाषा की विशिष्टता को समझ सकेंगे।
- शब्द एवं धातु रूप साधुत्व प्रक्रिया का ज्ञान होगा।
- शब्द के व्यवहारिक प्रयोग का ज्ञान होगा।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय–मध्यसिद्धान्तकौमुदी	क्रेडिट–4
I	सञ्ज्ञा से अच्सन्धिपर्यन्त।	
II	हल्सन्धि से विसर्ग सन्धि पर्यन्त।	
III	अजन्तप्रकरण (तीनों लिंङ्ग)।	
IV	हलन्त प्रकरण (तीनों लिङ्ग)।	
V	भ्वादिप्रकरण	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- मध्यसिद्धान्तकौमुदी, डॉ0 सुरेश चन्द्र शर्मा।
- मध्यसिद्धान्तकौमुदी, डॉ0 राजधर मिश्र।
- मध्यसिद्धान्तकौमुदी, पं0 कालीकान्त झा।
- मध्यसिद्धान्तकौमुदी, श्री गुरुप्रसाद शास्त्री।

Year Second		Semester : 3
कोर्स– **A020907T**	**कोर्स–4 (ऐच्छिक वर्ग–ब–व्याकरण)** **कोर्स शीर्षक**–व्याकरण दर्शन–।	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र व्याकरण दर्शन का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- छात्र वाक्य पदीय से परिचित होंगे।
- छात्र व्याकरण के महत्वपूर्ण प्रत्ययों का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर उनका प्रयोग और संस्कृत भाषा की विशिष्टता को समझ सकेंगे।
- शब्द एवं धातु रूप साधुत्व प्रक्रिया का ज्ञान होगा।
- शब्द के व्यवहारिक प्रयोग का ज्ञान होगा।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय–वाक्यपदीय (प्रथमकाण्ड)	क्रेडिट–4
I	प्रारम्भ से 43वीं कारिका पर्यन्त।	
II	44वीं से 74वीं कारिका पर्यन्त।	
III	75वीं से 106वीं कारिका पर्यन्त।	
IV	107वीं से 132वीं कारिका पर्यन्त।	
V	133वीं से कारिका अन्त तक।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- वाक्यपदीयम्, डॉ0 वेद प्रकाश मिश्र एवं डॉ0 कुन्दन कुमार।
- वाक्यपदीयम्, प्रो0 हरि नरायण तिवारी– (एक से पाँच खण्ड)।

Year Second		Semester : 3
कोर्स– **A020908T**	**कोर्स–5 (ऐच्छिक वर्ग–ब–व्याकरण)** **कोर्स शीर्षक**–महाभाष्य एवं इतिहास	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र व्याकरण दर्शन का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- छात्र वाक्य पदीय से परिचित होंगे।
- छात्र व्याकरण के महत्वपूर्ण प्रत्ययों का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर उनका प्रयोग और संस्कृत भाषा की विशिष्टता को समझ सकेंगे।
- शब्द एवं धातु रूप साधुत्व प्रक्रिया का ज्ञान होगा।
- शब्द के व्यवहारिक प्रयोग का ज्ञान होगा।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय–महाभाष्य द्वितीय आह्निक	क्रेडिट–4
I	व्याकरण शास्त्र का इतिहास।	
II	प्रारम्भ से अइउण् व्याख्यान तक।	
III	ऋलक् व्याख्यान से लेकर एओच् तक।	
IV	हयवरट् से लेकर वर्गार्थवत्ताधिकरणपर्यन्त।	
V	प्रत्याहारेऽनुबन्धानाम् से अन्त तक।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- महाभाष्यम्–युधिष्ठिर मीमांसक।
- व्याकरण भाष्यम्– डॉ0 जय शंकर लाल त्रिपाठी।
- व्याकरण भाष्यम्– आचार्य मधुसूदन प्रसाद मिश्र।
- व्याकरण महाभाष्य– चारूदेव शास्त्री।

Year Second	Semester : 3
कोर्स– **A020909T**	**कोर्स–3 (ऐच्छिक वर्ग–स–दर्शन)** **कोर्स शीर्षक**–न्याय दर्शन

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र न्याय दर्शन की परम्परा से परिचित होंगे।
- छात्र न्याय दर्शन के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जानने के लिए निर्धारित सिद्धान्तों का समालोचनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
- निर्धारित पाठ और उसमें निहित अवधारणात्मक शब्दों को समझने में सक्षम होंगे।
- छात्रों का निर्णय सामर्थ्य विकसित होगा।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय **गौतम न्यायसूत्र–वात्स्यायनभाष्यसहित, प्रथम अध्याय**	क्रेडिट–4
I	प्रथमाह्निक सूत्र 1 से 11 तक	
II	प्रथमाह्निक सूत्र 12 से 29 तक	
III	प्रथमाह्निक सूत्र 30 से अन्त तक	
IV	द्वितीयाह्निक सूत्र 01 से 10 तक	
V	द्वितीयाह्निक सूत्र 11 से अन्त तक	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- गौतमन्यायसूत्र, महर्षि गौतम।
- न्यायसूत्रम्, महर्षि गौतम, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- न्यायदर्शनम्, श्रीराम शर्मा आचार्य।
- न्यायदर्शन, आचार्य ढुण्ढ़िराजशास्त्री।

Year Second		Semester : 3
कोर्स– **A020910T**	**कोर्स–4 (ऐच्छिक वर्ग–स–दर्शन)** **कोर्स शीर्षक**–योग दर्शन	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र योग एवं वेदान्त दर्शन से परिचित होंगे।
- छात्रों में दार्शनिक चिन्तन की अभिवृद्धि होगी।
- निर्धारित पाठ और उसमें निहित अवधारणात्मक शब्दों को समझने में सक्षम होंगे।
- छात्रों का निर्णय सामर्थ्य विकसित होगा।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय पतञ्जलि योगसूत्र–समाधि एवं साधन पाद (व्यासभाष्य) गौडपाद–माण्डूक्य कारिका (प्रथम एवं चतुर्थ प्रकरण)	क्रेडिट–4
I	योगसूत्र–समाधिपाद–सूत्र 01 से 24 तक।	
II	योगसूत्र–समाधिपाद–सूत्र 25 से अन्त तक तथा साधनपाद–सूत्र 01 से 15 तक	
III	योगसूत्र–साधनपाद–सूत्र 16 से अन्त तक	
IV	माण्डूक्यकारिका, प्रथम प्रकरण।	
V	माण्डूक्यकारिका, चतुर्थ प्रकरण।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- पातञ्जलयोगप्रदीप, गीताप्रेस, गोरखपुर।
- पतंजलि योगसूत्र, स्वामी प्रेमेशानन्द।
- पतञ्जलि योग–दर्शन, डॉ0 मृदुल कीर्ति।
- माण्डूक्यकारिका, अखण्डानन्द सरस्वती।
- गौडपादसार।
- माण्डूक्य–उपनिषद्, पं0 श्रीपाद दामोद सातवलेकर।

Year Second	Semester : 3
कोर्स– **A020911T**	**कोर्स–5 (ऐच्छिक वर्ग–स–दर्शन)** **कोर्स शीर्षक–**शाङ्कर वेदान्त

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्रों को अद्वैत वेदान्त का ज्ञान प्राप्त होगा।
- अद्वैत वेदान्त में शङ्कराचार्य की दृष्टि से परिचित होंगे।
- छात्रों में दार्शनिक चिन्तन की अभिवृद्धि होगी।
- निर्धारित पाठ और उसमें निहित अवधारणात्मक शब्दों को समझने में सक्षम होंगे।
- छात्रों का निर्णय सामर्थ्य विकसित होगा।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय ब्रह्मसूत्र (चतुःसूत्री) शाङ्करभाष्य सहित	क्रेडिट–4
I	ब्रह्मसूत्र–अध्यासभाष्य।	
II	ब्रह्मसूत्र–प्रथमसूत्र (शाङ्करभाष्य)	
III	ब्रह्मसूत्र–द्वितीय तथा तृतीयसूत्र (शाङ्करभाष्य)	
IV	ब्रह्मसूत्र–चतुर्थसूत्र (शाङ्करभाष्य)	
V	चतुःसूत्री पर शाङ्करभाष्य का महत्व एवं अवदान	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- ब्रह्मसूत्र–शाङ्करभाष्य (चतुःसूत्री), रमाकान्त तिवारी।
- ब्रह्मसूत्र–शाङ्करभाष्य (चतुःसूत्री), परमानन्द भारती।
- ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्, स्वामी सत्यानन्द सरस्वती।

Year Second	Semester : 3
कोर्स– **A020912T**	**कोर्स–3 (ऐच्छिक वर्ग–द–साहित्य)** **कोर्स शीर्षक**–काव्यशास्त्र– ।

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र काव्यशास्त्र की उत्कृष्ट परम्परा से परिचित होंगे।
- छात्र काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु एवं काव्यभेद का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- छात्र रससूत्र से अवगत होंगे।
- छात्र काव्य शास्त्र के विविध सिद्धान्तों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय काव्यप्रकाश–आचार्य मम्मट	क्रेडिट–4
I	काव्यप्रकाश, तृतीय उल्लास सम्पूर्ण एवं चतुर्थ उल्लास में प्रारम्भ से रससूत्र तक।	
II	काव्यप्रकाश, चतुर्थ उल्लास, रससूत्र की व्याख्या से अन्त तक।	
III	काव्यप्रकाश, पञ्चम् उल्लास।	
IV	काव्यप्रकाश, षष्ठ उल्लास सम्पूर्ण एवं सप्तम् उल्लास में प्रारम्भ से सूत्र 75 के अन्त तक।	
V	काव्यप्रकाश, सप्तम् उल्लास सम्पूर्ण सूत्र 76 से अन्त तक तथा अष्टम् उल्लास–सम्पूर्ण।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- मम्मटाचार्यकृत–काव्यप्रकाश, आचार्य विश्वेश्वर।
- मम्मटाचार्यकृत–काव्यप्रकाश, डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी।
- मम्मटाचार्यकृत–काव्यप्रकाश, श्रीनिवास शास्त्री।
- मम्मटाचार्यकृत–काव्यप्रकाश, श्रीनिवास शर्मा।

Year Second		Semester : 3
कोर्स– **A020913T**	कोर्स–4 (ऐच्छिक वर्ग–द–साहित्य) कोर्स शीर्षक–नाट्यशास्त्र–।	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र नाट्यशास्त्रीय परम्परा से परिचित होंगे।
- छात्र नाट्यशास्त्रीय शब्दावलियों से परिचित होंगे।
- छात्रों में अभिनय कौशल का विकास होगा।
- समाज में स्वयं को प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय (दशरूपक–धनञ्जय)	क्रेडिट–4
I	धनञ्जय, दशरूपक, प्रथम प्रकाश।	
II	धनञ्जय, दशरूपक, द्वितीय प्रकाश।	
III	धनञ्जय, दशरूपक, तृतीय प्रकाश।	
IV	धनञ्जय, दशरूपक, चतुर्थ प्रकाश।	
V	दशरूपक का महत्व एवं अवदान।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- दशरूपकम्, डॉ0 रामजी उपाध्याय, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी।
- नाट्यशास्त्रीय की भारतीय परम्परा और दशरूपक, हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं पृथ्वीनाथ द्विवेदी।
- दशरूपकम्, डॉ0 श्रीनिवास शास्त्री।

Year Second		Semester : 3
कोर्स– **A020914T**	कोर्स–5 (ऐच्छिक वर्ग–द–साहित्य) **कोर्स शीर्षक**–काव्य	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र संस्कृत काव्य से परिचित होंगे।
- छात्र दूतकाव्य एवं गीतिकाव्य से परिचित होंगे।
- छात्रों में छन्दोबद्ध गान की प्रवृत्ति विकसित होगी।
- छात्र महात्माबुद्ध के जीवन चरित्र से परिचित होंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	मेघदूत, पूर्वमेघ–पद्य 01 से 30 तक।	
II	मेघदूत, पूर्वमेघ–पद्य 31 से अन्त तक।	
III	मेघदूत, उत्तरमेघ–पद्य 01 से 28 तक।	
IV	मेघदूत, उत्तरमेघ–पद्य 29 से अन्त तक।	
V	बुद्धचरित, प्रथम सर्ग।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- मेघदूतम्, डॉ0 बलवान सिंह यादव।
- मेघदूतम्, आचार्य श्री शेषराज शर्मा "रेग्मी"।
- मेघदूतम्, रामचन्द्र गणेश बोरवणकर।
- बुद्धचरितम्, डॉ0 जयनरायन शुक्ल।
- बुद्धचरितम्, डॉ0 राकेश शास्त्री।

Year Second	Semester : 3
कोर्स– **A020915R**	**कोर्स–6 (ऐच्छिक वर्ग–द–साहित्य) अनिवार्य कोर्स** **कोर्स शीर्षक**–शोध परियोजना / शोध प्रबन्ध / फील्ड वर्क / सर्वे / इण्टर्नशिप

Year Second		Semester : 4
कोर्स– **A021001T**	कोर्स–1 (अनिवार्य कोर्स) **कोर्स शीर्षक**–व्याकरण एवं अनुवाद	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र व्याकरण की व्यवहारिक प्रक्रिया से परिचित होंगे।
- छात्र अनुवाद का ज्ञानार्जन करेंगे।
- छात्र कारक प्रकरण से अवगत होंगे।
- छात्र अनुच्छेद लेखन में कौशल अर्जित करेंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण) कर्ता एवं कर्म कारक।	
II	सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण) करण एवं सम्प्रदान कारक।	
III	सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण) अपादान कारक एवं षष्ठी विभक्ति।	
IV	सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण) अधिकरण कारक।	
V	हिन्दी अनुच्छेद का संस्कृत में अनुवाद।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- सिद्धान्तकौमुदी, कारक प्रकरणम्, डॉ0 राम मुनी पाण्डेय।
- कारककौमुदी, डॉ0 रामानुज शर्मा "ब्रह्मर्षि"।
- रचनानुवादकौमुदी, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।
- संस्कृत व्याकरण, डॉ0 बाबूराम सक्सेना।

Year Second	Semester : 4
कोर्स– **A021002T**	**कोर्स–2 (अनिवार्य कोर्स)** **कोर्स शीर्षक–**आधुनिक संस्कृत काव्यशास्त्र

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र आधुनिक संस्कृत काव्यशास्त्र की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
- छात्र आधुनिक काव्यविधाओं से अवगत होंगे।
- छात्रों में आधुनिकता बोध का विकास होगा।
- संस्कृत साहित्य में आधुनिक काल से अवगत होंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	आधुनिक संस्कृत काव्यशास्त्र का उद्भव एवं विकास तथा प्रमुख आचार्य–प्रो0 शिव जी उपाध्याय, चण्डिका प्रसाद शुक्ल, ब्रह्मानन्द शर्मा।	
II	काव्य स्वरूप, (प्रो0 रहसबिहारी द्विवेदी–नव्यकाव्यतत्व मीमांसा)	
III	अलंकार विवेचन (प्रो0 राधावल्लभ त्रिपाठी–अभिनवकाव्यालंकार सूत्र)	
IV	रस विवेचन (प्रो0 रेवा प्रसाद द्विवेदी–काव्यालंकारकारिका)	
V	आधुनिक छन्द (प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र–अभिराज यशोभूषणम् का प्रकीर्णोन्मेष)	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय।
- आधुनिक संस्कृत गीतिकाव्यों में हास्यव्यंग्य, प्रो0 मंशाराम वर्मा, संग्रह टाइम्स पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
- नव्य काव्यतत्व मीमांसा, प्रो0 रहसबिहारी द्विवेदी।
- काव्यालंकारकारिका, प्रो0 रेवाप्रसाद द्विवेदी।
- अभिराजयशोभूषणम्, प्रो0 राजेन्द्र मिश्र, "अभिराज"।

निम्नलिखित वर्गों में से किसी एक वर्ग के तीनों कोर्स

Year Second		Semester : 4
कोर्स– **A021003T**	कोर्स–3 (ऐच्छिक वर्ग–अ–वेद) **कोर्स शीर्षक**–वैदिक संहिता	
Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि • छात्रों को वैदिक संहिताओं के विशिष्ट ज्ञान से परिचित कराना। • वैदिक मंत्रों के माध्यम से प्राकृतिक देवताओं के महत्त्व समझ सकेंगे। • प्राचीन वैदिक स्वर के मूल सिद्धान्तों को जान सकेंगे। • वैदिक स्वर और वैदिक व्याकरण के ज्ञान से वैदिक मंत्रों को उनके सत्य रूप में पाठ करने का प्रयास करेंगे। • छात्र शुक्लयजुर्वेद के कण्डिका ज्ञान से परिचित होंगे।		
Unit/इकाई	**Topics/पाठ्य विषय**	**क्रेडिट–4**
I	ऋग्वेद संहिता, पूषन्सूक्त (6.53), इन्द्रावरूण (7.83), मण्डूक (7.103)	
II	ऋग्वेद संहिता, सोमसूक्त (9.80), पितृसूक्त (10.15), ज्ञानसूक्त (10.71)	
III	शुक्लयजुर्वेद–माध्यन्दिन संहिता, द्वितीय अध्याय, कण्डिका 01 से 15 तक।	
IV	शुक्यजुर्वेद–माध्यन्दिन संहिता, द्वितीय अध्याय, कण्डिका 16 से अन्त तक।	
V	अथर्ववेद संहिता, शालानिर्माणसूक्त (3.12), सर्पविषनाशन (5.13), राष्ट्रसभा (7.13)	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- ऋक्सूक्तसंग्रह, डॉ0 हरिदत्त शास्त्री।
- ऋग्वेद संहिता, पं0 दामोदरपद सातवलेकर।
- वेदामृतमंजूषिका, डॉ0 प्रयागनरायन मिश्र।
- वैदिक व्याकरण, डॉ0 रामगोपाल।
- वैदिक साहित्य और संस्कृति, प्रो0 बलदेव उपाध्याय।
- वैदिक साहित्य और संस्कृति का वृहद इतिहास, डॉ0 ओम प्रकाश पाण्डेय।
- शुक्लयजुर्वेदमाध्यन्दिनीयसंहिता, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- शुक्लयजुर्वेदमाध्यन्दिनीयसंहिता, विद्याभवन प्राच्यविद्या ग्रन्थमाला।
- शुक्लयजुर्वेदमाध्यन्दिनीयसंहिता, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।

Year Second		Semester : 4
कोर्स– **A021004T**	**कोर्स–4 (ऐच्छिक वर्ग–अ–वेद)** **कोर्स शीर्षक**–ब्राह्मण एवं मीमांसा	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र ब्राह्मण एवं यज्ञों का ज्ञान अर्जित कर सकेंगे।
- छात्र यज्ञ के भेदों से परिचित होंगे।
- छात्र मीमांसा दर्शन से परिचित होंगे।
- यज्ञीय पारिभाषिक शब्द एवं उपकरणों की जानकारी होगी।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	शतपथब्राह्मण, प्रथम काण्ड, प्रथम अध्याय।	
II	शतपथब्राह्मण, प्रथम काण्ड, द्वितीय अध्याय।	
III	शतपथब्राह्मण, प्रथम काण्ड, तृतीय अध्याय।	
IV	अर्थसंग्रह, प्रारम्भ से विनियोगविधि तक।	
V	अर्थसंग्रह, प्रयोगविधि से अन्त तक।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- शतपथब्राह्मणम्, सुन्दर नारायण झा।
- शतपथ ब्राह्मण, स्वामी सत्यप्रकाश सरस्वती।
- शतपथ ब्राह्मण, स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती।
- अर्थसंग्रह, प्रो0 माधवजनार्दनरटाटे।
- अर्थसंग्रह, त्यागमूर्तिः श्री टाटम्बरिस्वामी
- अर्थसंग्रह, डॉ0 दयाशंकर शास्त्री।

Year Second		Semester : 4
कोर्स– **A021005T**	कोर्स–5 (ऐच्छिक वर्ग–अ–वेद) **कोर्स शीर्षक**–वेदाङ्ग एवम् अनुक्रमणी	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र वेद के छः अंगों से परिचित होंगे।
- छात्र ऋक्प्रातिशाख्य के विषय वस्तु का ज्ञान करेंगे।
- वैदिक स्वर प्रक्रिया का ज्ञानार्जन करेंगे।
- व्याकरण स्वरभेद प्रक्रिया से अवगत होंगे।
- छात्र वैदिक छन्दों से परिचित होंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	निरुक्त प्रथम अध्याय, 1–3 पाद।	
II	निरुक्त प्रथम अध्याय, 4–6 पाद।	
III	निरुक्त द्वितीय अध्याय का प्रथम पाद एवं सप्तम् अध्याय, 1–4 पाद।	
IV	बृहद्देवता, प्रथम अध्याय।	
V	वैदिक मूल छन्दों–गायत्री, उष्णिक्, अनुष्टुप्, त्रिष्टुप्, जगती, बृहती और पंक्ति का सामान्य परिचय।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- निरुक्तम्, प्रो0 ज्ञान प्रकाश शास्त्री।
- निरुक्तभाष्य, श्री चन्द्रमणि विद्यालंकार पालीरत्न।
- निरुक्त, श्री शिवनारायण शास्त्री।
- बृहद्देवता, प्रो0 ओमप्रकाश पाण्डेय।
- बृहद्देवता, डॉ0 राकेश शास्त्री।
- वैदिक छन्दोमीमांसा, पं0 युधिष्ठिर मीमांसक।

Year Second		Semester : 4
कोर्स– **A021006T**	कोर्स–3 (ऐच्छिक वर्ग–ब–व्याकरण) **कोर्स शीर्षक**–प्रक्रिया– ।।	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र व्याकरण के महत्वपूर्ण प्रत्ययों का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर उनका प्रयोग और संस्कृत भाषा की विशिष्टता को समझ सकेंगे।
- शब्द एवं धातु रूप साधुत्व प्रक्रिया का ज्ञान होगा।
- शब्द के व्यवहारिक प्रयोग का ज्ञान होगा।
- रूप–सिद्धि का ज्ञान प्राप्त कर छात्र संस्कृत सम्भाषण करने में सक्षम होंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	मध्यसिद्धान्त कौमुदी, अदादि से लकारार्थ प्रक्रिया तक।	
II	मध्यसिद्धान्त कौमुदी, कृत्यप्रक्रिया तक।	
III	मध्यसिद्धान्त कौमुदी, केवल समास से समासान्त तक।	
IV	मध्यसिद्धान्त कौमुदी, तद्धित–साधारण प्रत्यय से त्वलाधिकार तक।	
V	मध्यसिद्धान्त कौमुदी, भवनाद्यर्थक से अन्त तक।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- मध्यसिद्धान्तकौमुदी, डॉ0 सुरेश चन्द्र शर्मा।
- मध्यसिद्धान्तकौमुदी, डॉ0 राजधर मिश्र।
- मध्यसिद्धान्तकौमुदी, पं0 कालीकान्त झा।
- मध्यसिद्धान्तकौमुदी, श्री गुरुप्रसाद शास्त्री।

Year Second		Semester : 4
कोर्स– **A021007T**	कोर्स–4 (ऐच्छिक वर्ग–ब–व्याकरण) **कोर्स शीर्षक**–व्याकरण दर्शन–।।	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र व्याकरण दर्शन का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- छात्र व्याकरण दर्शन की प्रौढ़ परम्परा से परिचित होंगे।
- छात्र व्याकरण के महत्वपूर्ण प्रत्ययों का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर उनका प्रयोग और संस्कृत भाषा की विशिष्टता को समझ सकेंगे।
- शब्द एवं धातु रूप साधुत्व प्रक्रिया का ज्ञान होगा।
- शब्द के व्यवहारिक प्रयोग का ज्ञान होगा।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	परमलघुमञ्जूषा, प्रारम्भ से तादात्म्यनिरूपण से पूर्व तक।	
II	परमलघुमञ्जूषा, तादात्म्यनिरूपण।	
III	परमलघुमञ्जूषा, लक्षणानिरूपण।	
IV	परमलघुमञ्जूषा, व्यञ्जनानिरूपण तथा स्फोट।	
V	परमलघुमञ्जूषा, आकांक्षा से तात्पर्यनिरूपण तक।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- परमलघुमञ्जूषा, आचार्य लोकमणिदाहालः।
- परमलघुमञ्जूषा, परमेश्वर सिंह।
- परमलघुमञ्जूषा, पर्वतीयनित्यानन्दपन्तेन।
- परमलघुमञ्जूषा, श्रीकान्त पाण्डेय।

Year Second		Semester : 4
कोर्स– **A021008T**	कोर्स–5 (ऐच्छिक वर्ग–ब–व्याकरण) **कोर्स शीर्षक**–परिभाषा	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र व्याकरण के शास्त्रीय परिभाषाओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- छात्र लकार एवं लकारार्थ से परिचित होंगे।
- छात्र स्वर और व्यंजन के सम्यक उच्चारण में समर्थ होंगे।
- छात्र वैयाकरण शब्दावली से अवगत होंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	परिभाषेन्दुशेखर, प्रथम तन्त्र, 1–2 परिभाषाएँ।	
II	परिभाषेन्दुशेखर, प्रथम तन्त्र, 3, 4, 5 परिभाषाएँ।	
III	परिभाषेन्दुशेखर, प्रथम तन्त्र, 6, 7, 8, 9, 10 परिभाषाएँ।	
IV	वैयाकरणभूषणसार, लकारार्थ की प्रथम कारिका।	
V	वैयाकरणभूषणसार, लकारार्थ की द्वितीय कारिका।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- परिभाषेन्दुशेखरः, आचार्य विश्वनाथ मिश्र।
- परिभाषेन्दुशेखरः, श्री नारायण मिश्र।
- परिभाषेन्दुशेखरः, श्री राज नारायण शास्त्री।
- वैयाकरणभूषणसार, श्री कालीकान्त झा।
- वैयाकरणभूषणसार, श्री भीमसेन शास्त्री।
- वैयाकरणभूषणसार, श्री चन्द्रिका प्रसाद द्विवेदी।

Year Second	Semester : 4
कोर्स– **A021009T**	**कोर्स–3 (ऐच्छिक वर्ग–स–दर्शन)** **कोर्स शीर्षक**–वैशेषिक दर्शन

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र वैशेषिक दर्शन की परम्परा से परिचित होंगे।
- छात्र दार्शनिक चिन्तन हेतु समृद्ध होंगे।
- निर्णय सामर्थ्य का विकास होगा।
- निर्धारित पाठ्य में निहित अवधारणात्मक शब्दों को समझने में सक्षम होंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	प्रशस्तपादभाष्य (पदार्थधर्मसंग्रह) द्रव्यनिरूपण।	
II	प्रशस्तपादभाष्य (पदार्थधर्मसंग्रह) गुण–कर्मनिरूपण।	
III	प्रशस्तपादभाष्य (पदार्थधर्मसंग्रह) सामान्य–विशेष–समवाय–निरूपण।	
IV	न्यायासिद्धान्तमुक्तावली, शब्दखण्ड, प्रारम्भ से पदनिरूपण पर्यन्त।	
V	न्यायासिद्धान्तमुक्तावली, शब्दखण्ड, पदनिरूपण के बाद से अन्त तक।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- प्रशस्तपादभाष्यम्, श्री जगदीश।
- प्रशस्तपादभाष्यम्, श्रीधर आचार्य।
- न्यायासिद्धान्तमुक्तावली, पं0 ज्वाला प्रसाद गौड़।
- न्यायासिद्धान्तमुक्तावली, राजाराम शुक्ल।
- न्यायासिद्धान्तमुक्तावली, शिवबालक द्विवेदी एवं आचार्य कपिलदेव द्विवेदी।
- न्यायासिद्धान्तमुक्तावली, क्षेमराज श्रीकृष्णदास श्रेष्ठि।

Year Second		Semester : 4
कोर्स– **A021010T**	**कोर्स–4 (ऐच्छिक वर्ग–स–दर्शन)** **कोर्स शीर्षक**–आगम एवं बौद्धदर्शन	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र आगम से परिचित होंगे।
- छात्रों में बौद्धदर्शन की परम्परा विकसित होगी।
- छात्र प्रत्यभिज्ञादर्शन का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- छात्र नागार्जुन दर्शन को समझ सकेंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	नार्गाजुन पूर्वमाध्यमिक कारिका, प्रकरण–13	
II	नार्गाजुन पूर्वमाध्यमिक कारिका, प्रकरण–18	
III	नार्गाजुन पूर्वमाध्यमिक कारिका, प्रकरण–24	
IV	नार्गाजुन पूर्वमाध्यमिक कारिका, प्रकरण–25	
V	प्रत्यभिज्ञादर्शन का परिचय।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- नार्गाजुन रचना संचयन, राजेश जोशी।
- आचार्य नार्गाजुन विरचित विग्रहव्यावर्तनी–कारिका, संजीव कुमार दास।
- नागार्जुनकृत माध्यमिक शास्त्र और विग्रहव्यावर्तनी, यशदेवशल्य।
- भारतीय दर्शन, सी0डी0 शर्मा।
- भारतीय दर्शन, प्रो0 आशा गुप्ता।
- भारतीय दर्शन, डॉ0 उदल कुमार।

Year Second		Semester : 4
कोर्स– **A021011T**	**कोर्स–5 (ऐच्छिक वर्ग–स–दर्शन)** **कोर्स शीर्षक**–मीमांसा एवं वेदान्त दर्शन	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्रों को मीमांसा एवं वेदान्त दर्शनों के प्रौढ़ चिन्तन से अवगत होंगे।
- छात्रों में मीमांसा एवं वेदान्त दर्शन की अभिवृद्धि होगी।
- निर्धारित पाठ और उसमें निहित अवधारणात्मक शब्दों को समझने में सक्षम होंगे।
- छात्रों का निर्णय सामर्थ्य विकसित होगा।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	मीमांसादर्शन के प्रमाण।	
II	मीमांसादर्शन के प्रमेय।	
III	वेदान्तपरिभाषा, प्रत्यक्षपरिच्छेद।	
IV	वेदान्तपरिभाषा, विषयपरिच्छेद।	
V	वेदान्तपरिभाषा, प्रयोजनपरिच्छेद।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- मीमांसादर्शनम्, पं0 देवदत्त शर्मा उपाध्याय।
- मीमांसादर्शन का विवेचनात्मक इतिहास, डॉ0 गजानन शास्त्री मुसलगावकर।
- जैमिनीय–मीमांसा–भाष्यम्, पं0 युधिष्ठिर मीमांसक, भाग एक से सात तक।
- वेदान्तपरिभाषा, डॉ0 दद्दन उपाध्याय एवं प्रो0 पारसनाथ द्विवेदी।
- वेदान्तपरिभाषा, श्री विश्वनाथ धिताल।
- वेदान्तपरिभाषा, केशवलाल।
- वेदान्तपरिभाषा, डॉ0 श्रीगजानन शास्त्री मुसलगावकर।

Year Second		Semester : 4
कोर्स– **A021012T**	कोर्स–3 (ऐच्छिक वर्ग–द–साहित्य) **कोर्स शीर्षक**–काव्यशास्त्र–।।	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र काव्यशास्त्र की प्रौढ़ परम्परा से परिचित होंगे।
- छात्र ध्वनि सिद्धान्त का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- छात्र शब्द शक्तियों से अवगत होंगे।
- छात्र काव्य के मूल तत्व से परिचित होंगे।
- छात्र वक्रोक्ति परम्परा का ज्ञान अर्जित करेंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	ध्वन्यालोक, प्रथम उद्योत, प्रारम्भ से 12वीं कारिका।	
II	ध्वन्यालोक, प्रथम उद्योत, कारिका 13 से अन्त तक तथा चतुर्थ उद्योत में 5वीं कारिका तक।	
III	ध्वन्यालोक, चतुर्थ उद्योत, कारिका 6 से अन्त तक।	
IV	वक्रोक्तिजीवित, प्रथम उन्मेष, कारिका 01 से 23 तक।	
V	वक्रोक्तिजीवित, प्रथम उन्मेष, कारिका 24 से अन्त तक।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- ध्वन्यालोकः, डॉ0 प्रदीप्त कुमार पण्डा।
- ध्वन्यालोकः, जयकृष्णदास हरिदास गुप्त।
- ध्वन्यालोकः, श्री बदरीनाथ झा।
- ध्वन्यालोकः, डॉ0 रामसागर त्रिपाठी।
- वक्रोक्तिजीवितम्, पं0 परमेश्वरदीन पाण्डेय।
- वक्रोक्तिजीवितम्, डॉ0 दशरथ द्विवेदी।
- वक्रोक्तिजीवितम्, डॉ0 रमाकान्त पाण्डेय।

Year Second		Semester : 4
कोर्स– **A021013T**	कोर्स–4 (ऐच्छिक वर्ग–द–साहित्य) **कोर्स शीर्षक**–दृश्यकाव्य	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र दृश्यकाव्य की परम्परा से परिचित होंगे।
- छात्र प्रकरण रूपक का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- छात्र नाटिका से अवगत होंगे।
- छात्रों में अभिनय कौशल विकसित होगा।
- छात्र नाट्य शास्त्रीय तत्वों से अवगत होंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	मृच्छकटिकम्, अंक 1 से 3 तक।	
II	मृच्छकटिकम्, अंक 4 से 5 तक।	
III	रत्नावली प्रथम–द्वितीय अंक।	
IV	रत्नावली तृतीय–चतुर्थ अंक।	
V	उत्तररामचरितम्, तृतीय अंक।	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- मृच्छकटिकम्, आचार्य रामानन्द द्विवेदी।
- मृच्छकटिकम्, आचार्य जगदीश चन्द्र मिश्र।
- मृच्छकटिकम्, प्रो0 जयशंकर लाल त्रिपाठी।
- रत्नावली, डॉ0 गंगासहाय प्रेमी।
- रत्नावली, पं0 परमेश्वरदीन पाण्डेय।
- उत्तररामचरितम्, डॉ0 रमाकान्त त्रिपाठी।
- उत्तररामचरितम्, वासुदेव लक्ष्मण शास्त्री पणशीकर।
- उत्तररामचरितम्, कृष्णकान्त त्रिपाठी एवं विशम्भरनाथ द्विवेदी।

Year Second		Semester : 4
कोर्स– **A021014T**	कोर्स–5 (ऐच्छिक वर्ग–द–साहित्य) **कोर्स शीर्षक**–गद्यकाव्य	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- छात्र संस्कृत गद्यकाव्य की परम्परा से अवगत होंगे।
- छात्र नाटिका विधा का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- छात्र कथा और आख्यायिका का अन्तर समझ सकेंगे।
- छात्र प्राचीन भारतीय कथा परम्परा से समृद्ध होंगे।

Unit/इकाई	Topics/पाठ्य विषय	क्रेडिट–4
I	हर्षचरितम्, प्रथम उच्छ्वास, प्रारम्भ से "अष्टदशवर्षदेशीयं युवानमद्राक्षीत् तक।	
II	हर्षचरितम, प्रथम उच्छ्वास, प्रारम्भ से "पार्श्वेच तस्य" से अन्त तक।	
III	कादम्बरीकथामुखम्, प्रारम्भ से विन्ध्याटवीवर्णन तक।	
IV	कादम्बरीकथामुखम्, अगस्ताश्रमवर्णन से जाबाल्याश्रम वर्णन पर्यन्त तक।	
V	दशकुमारचरितम्, विश्रुतचरित–मात्र 18	
	आन्तरिक परीक्षा–25 अंक।	

संस्तुत ग्रन्थ –

- हर्षचरितम्, डॉ0 साहू व शास्त्री।
- हर्षचरितम्, श्री नन्द किशोर शर्मा, साहित्याचार्यः।
- हर्षचरितम्, पं0 जगन्नाथ पाठक, साहित्याचार्यः।
- कादम्बरीकथामुखम्, डॉ0 राकेश शास्त्री।
- कादम्बरीकथामुखम्, पं0 विशम्भरनाथ शास्त्री।
- कादम्बरी, पं0 कृष्ण मोहन शास्त्री।
- कादम्बरी, डॉ0 हर्षदेव माधव।
- दशकुमारचरितम्, डॉ0 श्रीकृष्ण मणि त्रिपाठी।
- दशकुमारचरितम्, श्री श्रीनिवास शर्मा।
- दशकुमारचरितम्, आचार्य शेषराज शर्मा "रेग्मी"।
- दशकुमारचरितम्, डॉ0 नर्मदेश्वर कुमार त्रिपाठी।

Year Second	Semester : 4
कोर्स– **A021015R**	**कोर्स–6 (ऐच्छिक वर्ग–द–साहित्य) अनिवार्य कोर्स** **कोर्स शीर्षक**–शोध परियोजना / शोध प्रबन्ध / फील्ड वर्क / सर्वे / इण्टर्नशिप

पाठ्यक्रम निर्माण समिति

BOS संयोजक / BOS सदस्य	पद	विभाग	हस्ताक्षर
प्रो0 मंशाराम वर्मा (संस्कृत विषय संयोजक)	प्रोफेसर	संस्कृत	
डॉ0 उदल कुमार (सदस्य)	एसोशिएट प्रोफेसर	संस्कृत	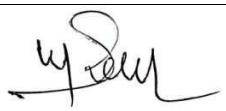
डॉ0 अखिलेश्वर प्रसाद शुक्ल (सदस्य)	असिस्टेंट प्रोफेसर	संस्कृत	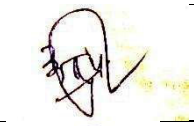
श्रीमती पूजा मिश्रा (सदस्य)	असिस्टेंट प्रोफेसर	संस्कृत	
श्रीमती ज्योति त्रिपाठी (सदस्य)	असिस्टेंट प्रोफेसर	संस्कृत	
प्रो0 आशा गुप्ता (सदस्य)	प्रोफेसर	संस्कृत	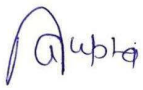
डॉ0 देवेन्द्र पाल (सदस्य)	असिस्टेंट प्रोफेसर	संस्कृत	
प्रो0 अभिषेक दत्त त्रिपाठी (सदस्य)	प्रोफेसर	संस्कृत	–